दै० भास्कर 14/06/22 p.12

शिमला में अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव 'उन्मेष' शुरू

साहित्य ने हमेशा ही सिनेमा को प्रेरित किया: गुलजार

शिमला| साहित्य व सिनेमा दोनों भिन्न व विशिष्ट हैं। साहित्य हजारों साल पुराना है जबकि हाल के समय की देन है सिनेमा...ज्यादा से ज्यादा सौ साल पुराना। आज सिनेमा अपने पैरों पर खड़ा हो गया है। उसकी अपनी कहानी व भाषा बन गई है। उसने अब इजहार करना शुरू कर दिया है। यह बात प्रख्यात गीतकार गुलजार ने साहित्य और सिनेमा पर विषय पर कही। वे अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव 'उन्मेष' में शिरकत करने शिमला पहुंचे थे। उन्होंने कहा, साहित्य ने हमेशा सिनेमा को प्रेरित किया व कर रहा है। दुनियाभर में कहानीकारों की कहानियों पर फिल्मों का निर्माण किया गया है। भारत में कई फिल्में साहित्य की कालजयी कृतियों से प्रेरित हैं।

साहित्य ने जीवन समृद्ध किया: सोनल मान सिंह

प्रख्यात नृत्यांगना सोनल मान सिंह ने कहा कि साहित्य ने मेरा जीवन समृद्ध किया है। मैं गुजराती में पली बढ़ी, तमिल, कन्नड़ आदि भाषाओं का अध्ययन किया। साहित्य से आंतरिक अवस्था परिपक्व होती है। मन प्रफुल्लित होता है, शब्द झिलमिलाते हैं, इंद्रधनुषीय छठा बिखरती है, जो मुझे प्रेरित करती है।